(vi) selective modernisation according to priorities to achieve optimum gains within available resources;

(vii) speedy implementation of labour rationalisation;

(viii) effective implementation of workers' participation in management so as to increase productivity;

(ix) identifying the mills as profit centres and delegation of power and authority to the General Managers of the mills, with responsibility for performance; and

(x) strict control and supervision on the filling up of vacant posts.

(c) During the 7th Plan, modernisation schemes costing about Rs. 3.64 crores have been sanctioned for mills under NTC(MP). As regards rationalisation,a target of 2000 posts to be abolished has been indicated for the year 1987-88 for the entire subsidiary.

(d) At present, the number of commissioned spindles and looms in these mills are 246256 and 4777 respectively. The average utilisation of these mills during May, 1987 was 66.9 per cent in spinning and 69.5 per cent in weaving.

Dacoities in Delhi

1104. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the number of dacoities committed between the period from 1st January, 1986 to 30th June, 1987 in Delhi;

(b) what are the details of loss of life and property as a result thereof;

(c) what is the number of cases of dacoities solved; and

(d) what is the number of persons apprehended;

(e) what are the details of goods recovered, if any; and

(f) what remedial steps Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI): (a) 33.

(b) 4 persons were killed and loss of property was about Rs. 14.22 lakhs.

(c) 23.

(d) 110.

(e) Goods worth Rs. 10.79 lakhs have been recovered.

(f) In order to check crime and the threat of terrorism, steps like increasing the number of police personnel, number of vehicles and improvement in the communication system, have been taken. Intensive checking of hotels and guest houses, frequent raids on hide-outs of criminals, externment proceedings against known criminals, are also undertaken.

Labour Courts and Industrial Tribunals

1105. SHRI K. GOPALAN:
SHRI V. GOPALSAMY:

Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) how many Labour Courts and Industrial Tribunals are functioning in Delhi as on date and now many vacancies are there in these Courts and Tribunals alongwith the number of industrial disputes pending before each of them for disposal;

(b) how many of these disputes are pending for the last three, five and eight years for disposal;

(c) how many of such disputes are between public sector undertakings and their workers' Unions and how many of them are pending for more than three, five, and eight years for disposals;

(d) how many industrial disputes have been disposed of by each Tribunal/Court during the last three years and how many of them were three, five and eight years old disputes; and

(e) what steps are being taken to dispose of those cases pending for more than ive /ears?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) to (e) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

विदेशो में बसे भारतीय मूल के लोग

1106. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन देशों के नाम क्या हैं जिन में भारतीय मल के लोग रह रहे हैं और ऐसे कितने देश हैं जहां वे (1) बहु संख्या में हैं (2) अल्प संख्या में हैं (3) अच्छी संख्या में हैं (4) बहुत कम संख्या में हैं ;

(ख) इन भारतीयों की एकता को बनाये रखने के लिए समय-समय पर क्या उपाय किए जाते हैं ;

(ग) उन देशों के नाम क्या हैं जिन्हें छोड़कर भारतीय मूल के लोग इंगलैण्ड, तथा भारत आदि में बसने के लिए आ रहे हैं ; और

(घ) उनक साथ अपने सांस्कृतिक संबंधों को सजीव रखने के लिए अभी तक भारत सरकार द्वारा क्या उपाय किये गए हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फेलेरियो): (क) एक विवरण संलग्न है जिसमें उन देशों के नाम दिए गए हैं जहां भारतीय मूल के लोग रहते हैं (नीचे देखिये) अपेक्षित ब्योरा नीचे दिया गया है :—

(i) जहां बहुमत में हैं–2 देश

(ii) जहां अल्पमत में हैं–3 देश (30 से 40 प्रतिशत)

(iii) जहां काफी बड़ी तादाद में हैं–

(1) 10 से 30 प्रतिशत–5 देश

(2) 1 से 8 प्रतिशत –15देश

(iv) बहुत कम संख्या में––130 देश (1 प्रतिशत से कम)

(ख) हमारे संबद्ध मिशन भारतीय मूल के लोगों के साथ निकट सम्पक रखते हैं। उन्हें, जहां तक संभव हो, क्षेत्रीय, धार्मिक और भाषा संबंधी सीमाओं को सामान्य सांस्कृतिक कार्यकलापों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि भारतीय समुदाय के सदस्यों के बीच समरसता बढ़े। लेकिन चूंकि इन में से अधिकांश लोग अब वहाँ क देशों के नागरिक हैं इसलिए विदेश स्थित हमारे मिशन अपन आपको उनक आंतरिक मामलों से जोड़ नहीं सकते।

(ग) ऐसी रिपोर्टें हैं कि गुयाना और ट्रिनिडाड एवं टीबागो से भारतीय मूल के लोग मुख्यत: यू० के० कनाडा और संयुक्त राज्य अमरीका में गए हैं; सूरीनाम से नीदरलैण्ड में और फिजी से आस्ट्रिया, न्यूजीलैण्ड आदि देशों में। वस्तुत: भारत में कोई आप्रवासन नहीं हुआ है।

(घ) इन भारतीय मूल के लोगों के साथ सांस्कृतिक संबंध भारत से सांस्कृतिक दल भेजकर, विभिन्न अवसरों पर भारतीय मिशनों द्वारा सांस्कृतिक सम्मारोहों का आयोजन कर क, भारतीय फिल्मों के माध्यम से और अखबारों आदि में परिशिष्ट निकाल कर किया जाता है। इसके अतिरिक्त भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने फिजी, गुयाना और सूरीना में भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र स्थापित किए हैं। मारीशस, इंडोनेशिया और ट्रिनिडाड एंव टीबागो में भी सांस्कृतिक केन्द्र खोले जाने हैं। उम्मीद है कि ये केन्द्र इस वर्ष सितम्बर/अक्तूबर से काम करना शुरू कर देंगे। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद गुयाना, सूरीनाम और ट्रिनीडाड एवं टोबागो में हिन्दी प्राध्यापक भी भेजती रही है। ये सांस्कृतिक केन्द्र अपने कार्य-कलाप भारतीय समुदाय के सदस्यों तक ही सीमित नहीं रखते बल्कि इनका जन उद्देश्य प्रस्थान के देश की जनता के सभी वर्गों के साथ सांस्कृतिक सम्पर्क विकसित करना भी है।